



5

वह देश कौन-सा है

लिखिए

1. सही विकल्प पर ✓ का निशान लगाइए—

- क. भारत के बारे में कौन-सी बात सही नहीं है— iv. लोग अशिक्षित हैं। ✓
ख. 'सुधा की धारा' का आशय है— ii. अमृत की धार ✓

2. पद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

छोड़ा राज्य कौन-सा है?

- क. स्वराज्य से आप क्या समझते हैं? i. अपना शासन ✓
ख. राम ने अपना राज्य क्यों छोड़ दिया? iii. पिता के आदेश से ✓
ग. लक्ष्मण और भरत को कैसे भाई कहा गया है? i. निस्स्वार्थ भाई ✓

घ. राज्य को 'तृणवत' क्यों कहा गया है?

उ. तृणवत का अर्थ है—तिनके के समान अर्थात् तुच्छ। राम को अपने पिता की आज्ञा के आगे अपना राज्य तुच्छ लगा। इसलिए इसे तृणवत कहा गया है।

क. लक्ष्मण-भरत को निस्स्वार्थ भाई क्यों कहा गया है?

उ. लक्ष्मण-भरत को निस्स्वार्थ भाई इसलिए कहा गया है क्योंकि उन्होंने स्वार्थ रहित होकर भाई के लिए अपने सुखों को भी छोड़ दिया।

3. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

क. देश के खाद्य पदार्थों के बारे में क्या कहा गया है?

उ. देश की धरती में रसोले फल, कंद, अनाज, मेवे पैदा होते हैं। यहाँ की धरती उर्वर और उपजाऊ है।

ख. 'रत्नेश चरण धो रहा है' से कवि का क्या आशय है?

उ. भारत के दक्षिण भाग के चारों ओर फैला समुद्र ऐसा लगता है मानो देश के चरण धो रहा है।

ग. भारत की सेवा करनेवाले कौन लोग हैं?

उ. भारत की सेवा करोड़ों देशवासी करते हैं।

4. विस्तार से उत्तर लिखिए—

क. कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।

उ. भारत देश का सौंदर्य अतुलित है। हिमालय इसके उत्तर में मुकुट के समान सुशोभित है। दक्षिण में स्थित सागर इस पौरों को धोता प्रतीत होता है। नदियाँ अपने जल रूपी अमृत से इस देश की धरती को सींचती हैं। धरती हमें अनंत फल और मेवे सभी कुछ देती है। हरे-भरे मैदान और पर्वत सभी के आकर्षण का केंद्र हैं।

ख. जिसके अनंत धन से धरती भरी पड़ी है—कवि के इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?

उ. कवि यहाँ पर यह कहना चाहता है कि यह धरती प्राकृतिक संपदा और पूर्वजों द्वारा संचित धन से संपन्न है। यहाँ कारण है कि किसी समय में यह देश सोने की चिड़िया कहा जाता था। मैं इस कथन से पूरी तरह सहमत हूँ।

ग. यहाँ की शैक्षिक स्थिति के बारे में कवि ने क्या लिखा है?

उ. भारत ने पूरे विश्व को अपने ज्ञान से आलोकित किया था। हमारा देश संसार का गुरु रहा है। शिक्षा के प्रचार-प्रसार का अखिल विश्व का केंद्र था। यहाँ अनेक देशों से शिक्षार्थी शिक्षा प्राप्त करने आया करते थे। यह देश विश्व के प्रमुख संस्कृतियों का मिलन केंद्र था।

घ. भारत की कोई दो विशेषताएँ लिखिए जिनपर देशवासियों को गर्व है।

उ. i. भारत देश आज भी शिक्षा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अग्रणी है।

ii. यहाँ विविध भाषा-भाषी, अनेक धर्मों के माननेवाले लोग मिल-जुलकर रहते हैं।

भाव स्पष्ट कीजिए—

क. पृथ्वी निवासियों को जिसने प्रथम जगाया।

उ. भारत देश ने ही सबसे पहले अखिल विश्व को ज्ञान के प्रकाश से प्रकाशित किया था। अतः यह देश अखिल विश्व के लिए प्रकाश स्तंभ के समान है।

उ. चालीस कोटि भाई संवक सपूत जिसके।

ख. इस देश के सभी चालीस करोड़ नागरिक (तत्कालीन) प्रेमपूर्वक रहते हैं और देश की सेवा करते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. समानार्थी शब्द लिखिए—

रत्नेश — "रत्नाकर/समुद्र"

प्रसून — "पुष्प"

सुधा — "अमृत"

गिरि — "पर्वत"

पृथ्वी — "धरा"

नदी — "सरिता"



2. उपसर्ग/प्रत्यय और मूल शब्द छोटकर लिखिए—

स्वराज्य — “स्व”+“राज्य”

प्रकृति — “प्र”+“कृति”

शिक्षित — “शिक्षा”+“इत”

सुगंध — “सु”+“गंध”

3. दिए गए शब्दों में अनुस्वार-अनुनासिक लगाकर लिखिए—

पसंद क्योंकि मुँह पहुँचा आँगन करूँगा मंदिर सिपाहियों माँग पार्टियों सुगंध निरंतर

4. कविता में आए विशेषण शब्द चुनकर लिखिए—

सलोना, रसीले, सुंदर, शुद्ध, चालीस, मनमोहिनी, अनंत, आनंदमय, शिरोमणि, प्रथम, निष्पक्ष, न्यायकारी



6

बातूनी

लिखिए

1. गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

मैं जिसका गोद में खिलाया है।

- क. किसी का भी नाम लेने पर सज्जन उससे कौन-कौन से रिश्ते निकाल लेते थे? iv. चारों सही हैं ✓
 ख. संबंध निकालकर सज्जन क्या करते थे? iii. संबंधों के बारे में बताते थे
 ग. कौन सज्जन के चाचा के दोस्त हैं? iii. भगवान ✓
 घ. लेखक के अनुसार सज्जन भगवान को कैसे जानते होंगे?
 उ. लेखक के अनुसार भगवान भी सज्जन के चाचा के बड़े अच्छे दोस्त होंगे। दोनों स्वर्ग में साथ काम करते होंगे। भगवान ने सज्जन को गोद में खिलाया होगा।
 ङ. भगवान से मिलने जाने के बहाने लेखक क्या करना चाहता था?
 उ. लेखक सज्जन को भाँपना चाहता था कि भगवान के साथ वे कैसे रिश्ता स्थापित करेंगे।

2. संक्षेप में उत्तर लिखिए—

- क. लेखक क्या कष्ट भुगत रहा था?
 उ. लेखक सज्जन से चिट्ठी डलवाने के बाद से उनके अनर्गल प्रलाप को सुनने का कष्ट भुगत रहा था।
 ख. लेखक को किसी से 'आप कहाँ जा रहे हैं' सवाल पूछना अटपटा क्यों लगता था?
 उ. यह सवाल अनावश्यक और किसी के जीवन में हस्तक्षेप करने जैसा था। इसलिए लेखक को अटपटा लगता था।
 ग. लेखक को देखकर वातूनी का चेहरा खिल उठता था पर लेखक काँप जाता था। क्यों?
 उ. वातूनी का चेहरा इसलिए खिल जाता था क्योंकि उन्हें लेखक के रूप में एक साथी मिल जाता था। मगर वे संदर्भ की बातें अधिक करते थे इसलिए लेखक काँप जाता था।

3. विस्तार से उत्तर लिखिए—

- क. 'मेरा काम करके उन्होंने मेरे ऊपर हमेशा के लिए अधिकार जमा लिया था'— लेखक ने ऐसा क्यों कहा?
 उ. लेखक ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि अब जब भी लेखक कहीं के लिए निकलता और उन सज्जन को दिख जाते सज्जन उसे देखकर बहुत प्रसन्न होकर और अधिकार से पूछते, कि वे कहाँ जा रहे हैं। लेखक को हर बार आते रास्ते में टोकते रहना पसंद नहीं था।



ख. सिविल सर्जन और प्रोफेसर तिवारी से सज्जन किस तरह परिचित थे?

उ. सज्जन के अनुसार डा. गुप्ता उनके चाचा के बड़े अच्छे दोस्त थे। नागपुर में पास-पास बंगला था। वे उन्हें गोद में खिलाते थे। प्रोफेसर तिवारी सज्जन के फ़ादर इन लॉ (समुर) के वे बड़े पुराने दोस्त थे। दोनों साथ-साथ पढ़ते थे। अभी भी वे उनके प्रति प्रेमभाव रखते थे।

ग. "अच्छा, तो फिर घर पर ही दर्शन करूँगा।" सज्जन का यह कथन सुनकर लेखक ने क्या सोचा?

उ. लेखक ने सोचा कि अगर वे घर पर दर्शन करने आ पहुँचे, तो घंटों बैठेंगे। सोच-विचार के बाद यह तय किया कि वे फिर उनके घर के सामने से निकलना शुरू कर दें। वहाँ दर्शन दें ताकि सज्जन घर पर दर्शन करने न आ पहुँचें।

घ. 'बातूनी सज्जन' के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। आपको दृष्टि में वे कैसे इन्सान हैं?

उ. 'बातूनी सज्जन' के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

- बातूनी सज्जन बात में से बात निकालने में निपुण हैं। • ऐसे व्यक्ति कभी भी अकेले नहीं होते हैं।
- बातूनी सज्जन सरल मन के व्यक्ति हैं।
- बात-बात में संबंध बनाना उनके व्यवहार की कुशलता है। • वे मिलनसार हैं।

बातूनी सज्जन भले ही बोलते अधिक हैं लेकिन मन के साफ़ हैं। ऐसे लोगों की हमारे उस समाज की बहुत आवश्यकता है जहाँ लोगों के जीवन में सुनापन छाया हुआ है।

आशय स्पष्ट कीजिए—

♦ बस, उनके 'सहर्ष' ने मेरा 'हर्ष' तभी से जो छोटा है, वह तो आज तक वापस नहीं मिला।

उ. अपना काम सज्जन से करवाकर लेखक कष्ट में पड़ गए हैं। लेखक जब भी बातूनी सज्जन से मिलते हैं तो वे अपनी बातों से उन्हें खिझा देते हैं। वे परेशान होकर उनसे पीछा छुड़ाना चाहते हैं। सज्जन सहर्ष अर्थात् प्रसन्नता से मिलते हैं परंतु लेखक की खुशी का हरण कर लेते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. समानार्थी शब्द लिखिए—

भाग्य	—	“किस्मत”	हर्ष	—	“प्रसन्नता”	बेवकूफ़	—	“मूर्ख/नादान”
नर	—	“मानव”	किताब	—	“पुस्तक”	कष्ट	—	“पीड़ा”

2. अकर्मक-सकर्मक क्रिया रेखांकित कर कोष्ठक में 'अ' या 'स' लिखिए—

क. वह चिट्ठी डाल दी थी?	(स)	घ. वे बाज़ार में मिल गए।	(अ)
ख. आप कहाँ जा रहे हैं?	(अ)	ङ. वे पास आकर हाथ पकड़ लेंगे।	(स)
ग. मैं आपका लिफ़ाफ़ा जरूर डालूँगा।	(स)	च. मुझे घबराहट होने लगी।	(अ)

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—

क. यदि छुट्टी—छुट्टियाँ है तो हट्टी—“हट्टियाँ”, भट्टी—“भट्टियाँ”

ख. आगत ध्वनि — लगे दो शब्द लिखिए—“कॉल”, “मॉल”

ग. उचित स्थान पर नुक्ता लगाइए— कमज़ोर, फ़कीर, लिफ़ाफ़ा, ख़्यादा, ऑफ़िस

घ. उचित स्थान पर चंद्रबिंदु लगाइए—महिलाएँ, खूँखार

ङ. 'अ' उपसर्गयुक्त शब्द लिखिए— “अकाल”, “अटल”

च. 'ता' प्रत्यययुक्त शब्द लिखिए— “मनुष्यता”, “सरलता”

छ. विलोम लिखिए— सज्जन— “दुर्जन”, आरंभ—“अंत”